# श्री के.वि. चौदरि, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त का प्रोफाइल

श्री के.वि. चौदरि भारतीय राजस्व सेवा के 1978 बैच के अधिकारी हैं । इन्हें भारत के माननीय राष्ट्रपति के दिनांक 06.06.2015 के एक नियुक्ति पत्र द्वारा इनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्षों की अवधि के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त नियुक्त किया गया है । इन्होंने केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त का कार्यभार दिनांक 10.06.2015 को ग्रहण किया ।

श्री के.वि. चौदरि का जन्म दिनांक 10.10.1954 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के मछलीपट्नम में हुआ । इन्होंने अपनी विद्यालय शिक्षा मछलीपट्नम तथा रूद्रापका ग्राम में प्राप्त की । इन्होंने बी.एस.सी. की उपाधि लोयोला महाविद्यालय, चैन्नई से तथा एम.एस.सी.(गणित), आई.आई.टी. चेन्नई से पूर्ण की । इन्होंने दिसम्बर 1976 से जुलाई 1978 तक आंध्रा बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में कार्य किया । इन्होंने सितम्बर, 1978 में भारतीय राजस्व सेवा में कार्य आरम्भ किया । दिनांक 10.06.2015 को आयोग में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व ये काले धन पर राजस्व विभाग के सलाहकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष थे । इन्होंने आयकर विभाग में विभिन्न पदों पर हैदराबाद, नई दिल्ली, चेन्नई, बैंगलुरू, वाराणसी, नागपुर तथा विशाखापटनम में कार्य किया । इन्होंने राजस्व विभाग (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) तथा कंपनी कार्य मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया ।

इन्होंने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे वित्त मंत्रालय जापान सरकार द्वारा टोक्यो में आयोजित कराधान पर सेमिनार, आई.आई.एम बंगलौर तथा वार्टन बिजनेस स्कूल, यू.एस.ए. आदि द्वारा आयोजित वरिष्ठ कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम में भाग लिया है ।

इन्हें वर्ष 1979 में सर्वोत्तम परिवीक्षा-अधिकारियों में से एक आंका गया था तथा एन.ए.डी.टी. नागपुर में रजत पदक प्रदान किया गया था । इन्होंने अनेक संवेदनशील तथा जटिल मामलों का अन्वेषण किया । इनके अनेक मामले, आयकर विभाग के अधिकारियों के उत्तम कार्य के आधिकारिक संकलन `लैट अस शेयर` में रिपोर्ट किए गए हैं ।

वर्ष 2004 में पेरिस में ओ.ई.सी.डी. के साथ वार्ता करने के लिए ये भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे । ये आयकर अधिनियम का प्रारूप पुन: बनाने हेतु माननीय वित्त मंत्री द्वारा गठित समिति के भी सदस्य थे । ये आयकर विभाग के लिए बिजनेस प्रौसेस रीइंजीनियरिंग पर समिति के सदस्य थे ।

ये विभिन्न विषयों जैसे कंपनियों का अन्वेषण मूल्यांकन, तलाशी तथा जब्ती मामलों का मूल्यांकन, न्यासों तथा धर्मार्थ संगठनों का मूल्यांकन, हस्तांतरण मूल्य निर्धारण, अंतर्राष्ट्रीय कराधान, सतर्कता आदि पर एन.ए.डी.टी. नागपुर के नियमित अतिथि संकाय सदस्य थे । हस्तांतरण मूल्य निर्धारण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ये ओ.ई.सी.डी. के अतिथि संकाय थे ।

कर अपवंचन के कुछ मामलों के अन्वेषण के लिए इन्होंने जापान, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, स्विटजरलैंड, फ्रांस आदि का दौरा किया । दिसम्बर, 2011 में दिल्ली में आयोजित `इंटरनेशनल टैक्स डायलाग कॉन्फ्रेंस` में इन्होंने अति अमीर व्यक्तियों तथा काले धन के अन्वेषण पर एक दस्तावेज प्रस्तुत किया । इन्होंने वर्ष 2013 में इस्ताम्बूल टर्की में तथा वर्ष 2014 में हेग, नीदरलैंड में आयोजित `इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ हैड्स ऑफ क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन` में भारत का प्रतिनिधित्व किया ।

**********